

(vi) Improvement of roads and road conditions i.e., widening and smoothening of blind-curves, better lighting, removal of congestion from busy roads and provision of adequate road signs.

(vii) Traffic police was strengthened and some traffic police officers were sent for training to Bombay with a view to improve planning and enforcement.

#### New Railway Lines during Second Plan

310. **Shri Yallamanda Reddy:** Will the Minister of Railways be pleased to state how many miles of new railway lines have been constructed in the country under the Second Five Year Plan period State-wise?

**The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shah Nawaz Khan):** Railway statistics are compiled railway-wise and not State-wise. However, a statement showing new lines constructed during the Second Plan Railway-wise and falling in or passing through different States is laid on the Table of the Lok Sabha. [See Appendix I, annexure No. 51].

#### खण्डवा-दोहद रेलवे लाइन का निर्माण

३११. **श्री बड़े :** क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में सन् १९६२-६३ में नई रेलवे लाइनों का निर्माण कहाँ-कहाँ करने की योजना है ;

(ख) क्या मध्य प्रदेश के पश्चिम नीमाड़ में खण्डवा से खरगोन व्हाया बड़वानी से दोहद तक रेलवे लाइन का निर्माण करने के सम्बन्ध में पश्चिम नीमाड़ से प्रतिनिधिमंडल लेकर कोई महानुभाव १९६० या १९६१ में तत्कालीन रेलवे मन्त्री जी से मिले थे ;

(ग) क्या १९६२-६३ में मध्य प्रदेश में पश्चिम नीमाड़ अर्थात् खरगोन जिले में रेलवे लाइन का निर्माण करने की योजना है ;

(घ) यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) यदि ऊपर के भाग (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक हो, तो इसका सर्वे कब तक किया जायेगा ?

रेलवे मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री शाह-नवाज खां) : (क) (१) ५४ मील लम्बी वीरीडंड-करौजी नयी लाइन सभी तरह के यातायात के लिए खोली जायेगी। इसका १७ मील लम्बा वीरीडंड-बरवासपुर खण्ड फरवरी १९६२ में माल यातायात के लिए खोल दिया गया।

(२) १० मील लम्बी करौजी जयनगर शाखा लाइन माल यातायात के लिए खोली जायेगी।

(ख) जी हाँ।

(ग) जी नहीं।

(घ) यह प्रस्ताव रेलवे की तीसरी पंचवर्षीय आयोजना में शामिल नहीं है।

(ङ) निकट भविष्य में इस लाइन के बनाये जाने की आशा बहुत कम है, इसलिये अभी उसके सर्वेक्षण का कार्यक्रम नहीं बनाया गया है।

#### Power crisis in summer in Delhi

312. { **Shri Shree Narayan Das:**  
**Shri Maheswar Naik:**

Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) whether indications are available that the Capital will have to face serious power crisis in summer;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) steps taken or proposed to be taken to meet the situation?

**The Minister of Irrigation and Power (Hafiz Mohammed Ibrahim):**

(a) to (c). The present generating capacity of the Delhi Electric Supply Undertaking is inadequate to meet the